



आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

सात्ता एक्सप्रेस

# सत्ता एक्सप्रेस

बी.ए.डी.वी. नई विलमी एवं राजनी सत्ता उत्पादन द्वारा विकासन सामग्री ब्रांड

मात्र 12 रुपये : 227

कल्याण देश, मैनपुर ७८१३२१

Email: sattarexpress@rediffmail.com

उत्पादन, प्रोत्तरा,

फर उत्तर जानवृत्तकर प्रताङ्गुत विराम

## 1 जून 2021 को 21वां विश्व दुध दिवस विशेषांक

### स्वच्छ दुध उत्पादन आज की आवश्यकता—डॉ सी.के. राय

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

कानपुर। बंद्रहेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कूलपति डॉ टी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुध दिवस के अवसर पर दलीय बगर विषय कृषि विज्ञान वैदेश के पशुपालन वैज्ञानिक टॉकटर सीकों राय ने दुध एवं व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे दिवस का भारत अकेले 22वीं सदी के दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संलग्न को साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुध पदार्थों की कीमत कम लगावं जाती है। इसलिए आज 21वे विश्व दुध दिवस के अवसर पर जारी है कि स्वच्छ दुध उत्पादन पर जुड़े विदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुध दिवस की वीम धर्मविरण, पोधन और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के

साथ-साथ देशी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ दुध उत्पादन के लिए दूध दूहने वाला व्यक्ति स्वत्व एवं संकामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दूहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दूहने के पहले पशुओं के बच्चों को पानी से साफ जच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय ब्रक्षर्टी, ब्रांचर दूध में न निश्चन पाये एवं पशुओं को दूध। दूहने के पहले ही बात पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ शातावरण, साफ पशुशाला, दुध शाला, पशु रखारथ्य तथा उसकी साफ-साफाई दुध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण हैं। 21 मई विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कूलपति डॉ टी.आर. सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। टी.सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है। इसके



अलावा इसमें विटामिन ए, डी.ही. और के सहित पॉर्फ्योरस, मैनीशियम, आयोडीन व कई खगेज तथा कर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम औनलाइन कार्बोलाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।



४

लक्ष्मणकुमार संस्करण

वर्ष-03, अंक-246  
मंगलवार, 01 जून, 2021  
पृष्ठ 12  
मुद्रा 3 रुपय

लक्ष्मणकुमार, हाईटी और कैलेन्डर ने प्राप्तिरिक्षा

For epaper → [www.updainsikhihaskar.com](http://www.updainsikhihaskar.com)

देश वाले सबसे विश्वसनीय अखबार

# दैनिक भारत

06 लोकल

209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर: डॉ. राय

## 21वें विश्व दुग्ध दिवस पर विवि में होगी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

मालानगर ब्लॉग

**कानपुर।** सीएसए के कृतिकों के निर्देश के तहम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दत्तीय नगर रिश्वा कृषि विज्ञान केन्द्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत ओडिले 22 मिस्री दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 विभिन्न पशु संख्या के सम्बन्धम् 209 विभिन्न टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की उपलब्धि अन्य विभागों से देश की दुग्धाएँ में बन होने के कारण विदेशी



बाजारों में हमारे देश में बने दुध बढ़ावों की कीमत तम लगाई जाती है। इसलिए ज्ञान 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े विद्युतों पर लकड़ी की जरूर। उन्होंने बताया कि इस लकड़ी के विश्व दुग्ध दिवस की शीर्ष पर्याप्त, पोषण और सामग्रिक-आर्थिक समर्पितानपर के

लक्ष्य-साथ डॉक्टरी क्लिंज में विश्वगति पर केरदिगं दृष्टि विश्व दुग्ध उत्पादन के लिए दुध दुहने वाले व्यक्तित्व स्वयं एवं संशोधक लोग मुक्त होना चाहिए। लक्ष्य सर्व ही दुध दुहने के सम्बद्ध लकड़ी, लिंगेट, बीड़ी, पान इत्यादि का स्वानन न फिरा जाए। उन्होंने बताया कि दुध दुहने के पहले पहुँचों

के घोनों को पार्श्व से साफ अच्छी ज्ञान से कर ले, तथा दूध दुहने सम्बद्ध व्यक्तियों, व्यापक दूध में न गिरने वाले तर्ह व्याजों को दूध दुहने के लिए ही बता वर्णन प्रियता दिल दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व साक्षर दूध उत्पादन के लिए तर्ह कारक महावर्जुन भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ व्युत्पाता, दुग्ध शाला, या दूध स्वास्थ्य तथा उत्सवी साफ-संसर्व दूध उत्पादन में उपयोग होने वाले वर्तन तथा दूध दुहने की विधि इत्यादि महावर्जुन है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संबोधित लभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑफलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। विज्ञान स्वयं दुग्ध उत्पादन के सर्व ही पशु वालकों की अर्थिक तरकीबानी हो लेके साथ ही पर्याप्त दिलें हों।

● ● ● ● ●

● ● ● ● ●

# 21वें विश्व दूध दिवस पर विवि में आज होगी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

01/06/2021 राष्ट्रीय स्वरूप

209 मिलियन टन आर्थिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर डॉ. रघु

कानपुर। सोएसए के कुलपति के निदेश के तहम में विश्व दूध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. मोके गय ने दूध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भाग अकेले 22 ल दूध उत्पादन करता है। उन्होंने कहाया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन आर्थिक दूध का उत्पादन करके हमारे देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहाया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता औन्य विकासील देशों की कुलना में कम होने के कारण विदेशी चावारों में हमारे देश में बने दूध पदार्थों को कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दूध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दूध उत्पादन पर जुड़े चिन्हों पर चर्चा की जाए। उन्होंने कहाया कि इस बां विश्व दूध दिवस को धीम पर्यावरण, पर्याप्त और सामाजिक-



आर्थिक संवर्धन के साथ-साथ देशी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। उन्होंने कहाया की स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वास्थ एवं संकामक गोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिमरेट, चीज़, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने कहाया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थर्नों को पानी से साफ अच्छे प्रकार से कर ले, तथा दूध

महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दूध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डॉ आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दूध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वास्थ रहेगा। डॉ. सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और ग्राइबोफल्किन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ई, और के सहित फाईकोरस, मैग्नीशियम, अयोडीन, व कई खानिक तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं। इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. एके सिंह ने कहाया कि 1 जून को 21वें विश्व दूध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों हारे ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दूध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक संवर्धन करण हो सके साथ ही पर्यावरण हितीय हो।

www.worldkhaleexpress.com | www.twinkl.com/worldkhaleexpress | www.youtube.com/worldkhaleexpress | https://worldkhaleexpress.africa/

अंक : 245 कानपुर नगर

स्वच्छ दुध  
नियम रखें

**WORLD**  
**खबर एक्सप्रेस**

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

आपके साथ हमारी जोड़ी  
बी आपल कला है।

31 मई 2021, शुक्रवार

MID DAY E-PAPER

## 21वें विश्व दुध दिवस पर सीएसए के डॉ. सीके राय ने दिए टिप्प- ‘स्वच्छ दुध उत्पादन आज की आवश्यकता’



कानपुर। मंगलवार (1 जून) को विश्व दुध दिवस है। इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुध व्यवसाय से जुड़े पशुपालकों को टिप्प दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया का भारत अकेले 22 फीटी दूध उत्पादन करता है। देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए 21वें विश्व दुध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने

बताया कि इस वर्ष विश्व दुध दिवस की थीम ‘पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता’ पर केंद्रित है। स्वच्छ दुध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ व संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी तरह से कर ले तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाए और पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा, पानी पिला दिया जाए। साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्धशाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई और दूध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन व दूध धोने की



विधि। विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने कहा कि स्वच्छ दुध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसमें एंजाइम्स भी होते हैं, इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों की ओर से ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें स्वच्छ दुध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों को आर्थिक सशक्तिकरण बनाने और पर्यावरण हितीयी पर चर्चा की जाएगी।

## सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ डेयरी पर मंथन

□ दूध में प्रोटीन, कैल्शियम के अलावा विटामिन ए, डी, ई सहित फॉर्स्फोरस भी

कानपुर, 31 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डा. सीके राय ने दुध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। पूरे विश्व का भारत अकेले 22 प्रतिशत दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे

### विश्व दुध दिवस आज

देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन व्यापिक दूध का उत्पादन करके हमारे देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दुध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी हेत्र में स्थिरता पर केंद्रित अंमतइन कार्यशाला आयोजित की जाएंगी, जिससे स्वच्छ दुध उत्पादन के साथ ही पशु



गाय को गुड़ खिलाते कुलपति डा. डीआर सिंह व अन्य।

### गांव-गांव जागरूकता फैलाकर स्वच्छ दुध उत्पादन बढ़ाने पर जोर

प्रकार से कर से, तथा दूध दूहते समय मस्ती, मच्चर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूने के पहले ही चारा पाने पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ बातावरण, साफ पशुपालन, दुध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने अपने निर्देश में कहा है कि स्वच्छ दुध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ होगा। डॉ. सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और एड्जेस्टिविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ई, और के सहित फॉर्स्फोरस, मैर्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिन तथा ऊन्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहर भी कहा जाता है। निर्देशक प्रसार एवं समन्वयक ढंग एक सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा

पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितेषी हो।

## 21वें विश्व दुर्घट दिवस पर विवि में आज होगी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

○ 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन कर हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर। डॉ. राय

### भारत कनेक्ट रांचावदाता

कानपुर। सीएसए के कुलपति के निर्देश के क्रम में विश्व दुर्घट दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ने दुर्घट व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22% दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुर्घट पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए

आज 21वें विश्व दुर्घट दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दूध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुर्घट दिवस की थीम रूपर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेवरी क्षेत्र में स्थिरताहृ पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दुहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चार पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुर्घट

शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दूध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुर्घट दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी आर सिंह ने अपने सदैश में कहा है कि स्वच्छ दूध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डॉ सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राहबोफलेविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ही, और के सहित फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं। इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निर्देशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुर्घट दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएंगी।



\*1 जून 2021 को 21वां विश्व दुग्ध दिवस विशेषांक\*

\*स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता: डॉक्टर सी.के. राय\*

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी.के. राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22% दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दूध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वे विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम "पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता" पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संकामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थर्नों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डॉ. सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी.ई., और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निर्देशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. एके.सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीनी संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो। (डॉ. खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।



**विश्व दुग्ध दिवस आज**

साफ-सफाई न रखने से पांच फीसद दूध ऐसा होता है जिसमें बैक्टीरियल लोड बढ़ जाता है

# पशु को स्वच्छता से रखें तो दूध भी होगा सुरक्षित

जागरण संवाददाता, कानपुर : शुद्ध दूध की मांग हमेशा से रही है। यह एक ऐसा व्यवसाय है जिससे किसी भी गांव के 50 फीसद से अधिक ग्रामीण जुड़े हैं। जहां दूध का व्यवसाय लगातार बढ़ रहा है वहीं उसमें बैक्टीरिया का लोड भी बढ़ता देखा गया है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दिलीप नगर कृषि विज्ञान केंद्र ने इस पर शोध किया है। इसके मुताबिक कम से कम पांच फीसद दूध में बैक्टीरिया होता है। दुधारू पशु और दूध निकालने वाले की



सीएसए के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके राय ● स्वयं

स्वच्छता से दूध को बैक्टीरिया मुक्त रखा जा सकता है।

दिलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक

डॉक्टर सीके राय बताते हैं कि आमतौर पर गांव में दूध निकालने का काम सुबह चार बजे से शुरू हो जाता है। अगर दूध निकालने के बाद उसमें गोबर, बाल का टुकड़ा व

गंदगी गिर जाए तो बैक्टीरियल लोड बढ़ जाता है। डॉ. राय ने बताया कि दूध निकालने के बाद वह अधिकतम आठ घंटे तक रहता है। उसके बाद

वह फटने लगता है। अगर स्वच्छता के मानकों का पालन किया जाए तो यही दूध 12 घंटे सही रह सकता है। उन्होंने बताया कि विश्व में भारत अकेले 22 फीसद दूध का उत्पादन कर नंबर एक पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में दुधारू पशुओं की संख्या तीन सौ मिलियन है जो करीब दो सौ नौ मिलियन टन वार्षिक दूध देते हैं।

**स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर ध्यान देने से होंगे मालामाल**

डॉ. राय ने बताया कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाले व्यक्ति को स्वस्थ व संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। 21वें विश्व दुग्ध दिवस की थीम पर्यावरण, पोषण व सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरता पर केंद्रित है। अगर हम जरा सी सावधानी बरतें तो इस व्यवसाय से जुड़े लोग अधिक मुनाफा कमाएंगे।



विश्व में 22 फीसद के साथ दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है भारत : डा. सी.के. राय



31 May 21 | 5:03 PM



- भारत के दूध की गुणवत्ता में कभी होने से विदेशी बाजारों में नहीं मिल पाता उचित दाम

कानपुर, 31 मई (हि.स.)। पूरे विश्व का भारत अकेले 22 फीसद दूध उत्पादन करता है और हमारे देश में तीन सौ मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन होता है। इस प्रकार भारत दुग्ध उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। लेकिन हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। ऐसे में जरूरत है कि गुणवत्ता में बढ़ोत्तरी की जाए। यह बातें सोमवार को विश्व दुग्ध दिवस की पूर्व संघ्या पर केवीके के पशुपालन वैज्ञानिक डा. सीके राय ने कही।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.आर. सिंह के निर्देश पर विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सीके राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कहा कि आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम "पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्लीब में स्थिरता" पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संकामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ-साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के धनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण हैं।

#### पूर्ण आहार है दुग्ध

कुलपति ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डा. सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लोविन युक्त होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी,ई, और के सहित फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, व कई खनिज तथा कर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं, इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है। निर्देशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ.एस.सिंह ने बताया कि एक जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा औनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दूध उत्पादन के साथ ही पशुपालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।



# हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित

44 • कानपुर, पंजालवार 1 जून 2021

- पृष्ठ: 3

- मृत्ति: 1.00 रु.

## स्वच्छ दुध उत्पादन आज की आवश्यकता- डॉ० सी०के० राय

### 1 जून 2021 को 21वां विश्व दुध दिवस विशेषांक



कानपुर- विश्व दुध दिवस के अवसर पर दलीप नगर रिहायत कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी०के० राय ने दुध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को सदैश दिया है कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22व दृध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है इसलिए आज 21व विश्व दुध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस तर्थ विश्व दुध दिवस की पीम कृपयावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी थोक्र में स्थिरता कूप पर केंद्रित है उन्होंने बताया की स्वच्छ दुध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए साथ साथ ही दूध दुहने के समय तबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के घनों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मकरवी, मरहर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दुहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्धशाला, पशु खास्य तथा उसकी साफ-सफाई दूध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है 21 मई विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कल्पता डॉ० डी आर सिंह ने अपने सदेश में कहा है कि स्वच्छ दुध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा डॉ० सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैलशियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन एडीई और के सहित फॉर्ट्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन, त कई खनिज तथा ऊर्जा होती है इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ० एके सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21व विश्व दुध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी जिससे स्वच्छ दुध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितोप्ती हो।



उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांघ्य दैनिक समाचार पत्र

# जनमत टुडे.



ताप्रवाही: हाईट्रॉप,  
प्रशासन ने जानलाली देवा  
जरूरी नहीं समझा

RNI-NO-UTTBIL/2007/2070

वर्ष: 12

अंक: 154

देहरादून, सोमवार, 31 मई, 2021

पृष्ठ: 08

गूल्य: 2/रु. प्रति

4 जनमत टुडे

उत्तर प्रदेश

देहरादून, सोमवार  
31 मई, 2021

## स्वच्छदूधउत्पादन आजकीआवश्यकता:डॉ.सीकेराय

ब्रॉड गैर्ड (जनमत टुडे)

कानपूर-विश्व दुध दिवस के अवसर पर दृष्टिप नगर विधान कूपी विज्ञान कंट्रोल के नामांकन विज्ञानिक और स्टार शीर्षकों द्वारा ने दूध लालवाण्य से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है कि पूरे विश्व का भारत के कर्कों 22% दूध लालवाण्य कानपूर है।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में 300 विभिन्न पशु लालवाण्य की लालवाण्य 200 विभिन्न टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम लालवाण्य पर है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में उत्पादित दूध की नुगवाना अन्य विकासशील देशों की नुगवाना में ज्ञान हानि के कारण विदेशी बाजारी में हमारे देश में बने दूध पदार्थों की जीवन का लगाव होता है।



इसलिए आज 21वें विश्व दूध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दूध उत्पादन पर जुड़े विद्युतीय वर लालवाण्य की जरूर। उन्होंने कहा कि इस वर्ष विश्व दूध दिवस जी वीम पर्यावरण, वैज्ञानिक और सामाजिक-प्रार्थीक लालवाण्य की

उन्होंने कहा कि दूध दुहने के पहले पशुओं के घनों को पानी से साफ करके प्रकार से कर ले तथा दूध दुहने स्वच्छ बनावी, भवान दूध वे न गिरने वाले एवं पशुओं को दूध दुहने की पहले ही जाता फाली वित्त फिला दिया जाए उन्होंने कहा कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जैसे कि साफ लालवाण्य, साफ पशुपाला, तुग्गालाला, पशु लालवाण्य तथा उसकी साक-सकाई दूध उत्पादन में उपयोग होने वाले जाने लालवाण्य दूध दोनों की विधि इत्यादि व्यवस्थाएँ हैं। 21 वें विश्व दूध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कूपी विज्ञान कंट्रोल द्वारा जीनलाइन बायोजित की जाएगी जिससे स्वच्छ दूध उत्पादन की साध ही पशु लालवाण्य की आधिक संरक्षितरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितेवी हो।



# जन एक्सप्रेस

इन्डियन एक्सप्रेस (janexpresslive)

लखनऊ, लंगालकर, 01 जून, 2021, कार्ड : 12, अंक : 227, पृष्ठ : 12, नुस्खा ₹ 3.00/-

लखनऊ जन एक्सप्रेस ने इन्डियन एक्सप्रेस की लाइव | [www.janexpresslive.com/paper](http://www.janexpresslive.com/paper)

नुस्खा पात्र जारी लाग मान्यूद रहा।

## विश्व में 22 फीसद के साथ दुर्घट उत्पादन में प्रथम स्थान पर है भारत : डा. सी.के. राय

भारत के दूध की गुणवत्ता में कमी होने से विदेशी बाजारों में नहीं मिल पाता उचित दाम

### बिन्दुकुम तापाकर द्वारा

कानपुर नगर। पूरे विश्व का भारत अंकों में 22 फीसद दूध उत्पादन करता है और इसमें देश में लौंग और विनियन पशु बछड़ा के साथ लगभग 209 विलिन टन वालिक दूध का उत्पादन होता है। इस एक भारत दूध उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है। लेकिन इसमें देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में इसमें देश में दुर्घट पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। ऐसे में जरूरत है कि भूमध्य ने बढ़ोत्तरी की जाए। यह बात सोमवार की विश्व दूध दिवस की पूर्व संधाय पर कंघीक के प्रस्तुतालन वैद्युतिक श. सोके गुप्त ने कहा।

बन्दोबस्तु अमाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विधि विद्यालय के कुलदीप श. श. श. अर. सिंह के निर्देश पर विश्व



दूध दिवस के अवसर पर दलीप नार नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रशुपलन वैज्ञानिक डीवटर सीके राय ने दूध बचवाल में जुड़े सभी प्रशुपलनों को मनोरंजन दिया है। कहा कि आज 21वें विश्व दूध दिवस के

अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दूध उत्पादन पर जुड़े चिंदुओं पर ध्यान की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दूध दिवस की धीम 'पर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक समरकाण' के साथ-साथ देखी

### पूर्ण आहार है दुर्घट

विद्युती ने आज सेटी से कहा है कि स्वच्छ दूध उत्पादन से ही दूध औंगे वाली ही दूध होता है। उसने कहा दूध से विदेशी वै, वी, और के सहित विनियन विनियोग, अवैदेशी, व लैंड लकड़ियां तथा ऊर्जा होती है। इनके अलावा इतनी दूधकस्त नहीं होती है, इसीलिए दूध को पूर्ण आहार की जगह जाता है। विदेशी दूध का तापाकरण में एक सिंह ले बाला कि एक जून 2021 की 22वें विश्व दूध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के आर्थ तापाकरण सभी 14 कृषि विद्रोह के द्वारा इस महात्माकृष्ण अवैदेशी की जाती है। विदेशी दूध दूध उत्पादन के साथ ही विदेशी दूध की अर्थिक स्थितिकारण से सकूल साथ ही पर्यावरण दियी जाती है।

धेन में 'स्थिति' पर केंद्रित है। उन्होंने बताया की मन्द दूध उत्पादन के लिए दूध दूध उत्पादन के लिए कई बदलक महात्मारूपी भूमिका निभाते हैं। वैसे कि मन्द बालाकरण, मन्द पशुपालन, दूध बछड़ा, पशु स्वास्थ्य तथा उम्मीदों साफ-मफाई दूध उत्पादन में उपयोग होने वाले बदलन तथा दूध खेने की विधि इन्वेंट्री महात्मारूपी है।

# 21वें विश्व दुग्ध दिवस पर विवि में आज होगी ऑनलाइन कार्यशाला

कानपुर। सीएसए के कुलपति के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सीके. राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22 ल दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन वार्षिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विदेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों की कीमत कम लगाई जाती है। इसलिए, आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा को जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम **अपर्यावरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ डेयरी क्षेत्र में स्थिरताकृ पर केंद्रित है।** उन्होंने बताया कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दूहने

बाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दूहने के समय तंबाकू, सिगारेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दूहने के पहले पशुओं के धनों को पानी

उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण है। 21 महं विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ढी आर सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही

दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डॉ. सिंह ने कहा कि दूध में ग्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफलेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी.डी.आर. और के सहित फॉस्फोरस मैनीशियम आयोडीन, व कई खनिज तथा ऊर्जा होती है। इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं। इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता



रो साफ अच्छी प्रकार रो कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने याए एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ बातावरण, साफ पशुशाला, दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दूग्ध उत्पादन में

है। निर्देशक प्रशासन एवं राजन्वयक डॉ. एके सिंह ने बताया कि 1 जून को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।



वर्ष - 8  
अंक - 196  
कानपुर  
मंगलवार 1  
जून 2021  
पृष्ठ - 4  
मूल्य 1:00

# सोशल रिपोर्टर

हिन्दी दैनिक



1 जून 2021 को 21वां विश्व दुग्ध दिवस विशेषांक

## स्वच्छ दुग्ध उत्पादन आज की आवश्यकता- डॉक्टर सी.के. राय

### सत्य प्रकाश

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डॉ.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर सी.के.राय ने दुग्ध व्यवसाय से जुड़े सभी पशुपालकों को संदेश दिया है। कि पूरे विश्व का भारत अकेले 22ल दूध उत्पादन करता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में 300 मिलियन पशु संख्या के साथ लगभग 209 मिलियन टन आर्थिक दूध का उत्पादन करके हमारा देश विश्व में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में उत्पादित दूध की गुणवत्ता अन्य विकासशील देशों की तुलना में कम होने के कारण विटेशी बाजारों में हमारे देश में बने दुग्ध पदार्थों को कोम्पट कम लगाई जाती है। इसलिए आज 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर जरूरी है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन पर जुड़े बिंदुओं पर चर्चा की जाए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम **ऋग्यवरण, पोषण और सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ हेयरी क्षेत्र में स्थिरता** पर



केंद्रित है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के लिए दूध दुहने वाला व्यक्ति स्वस्थ एवं संक्रामक रोग मुक्त होना चाहिए। साथ साथ ही दूध दुहने के समय तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी, पान इत्यादि का सेवन न किया जाए। उन्होंने बताया कि दूध दुहने के पहले पशुओं के थर्नों को पानी से साफ अच्छी प्रकार से कर ले, तथा दूध दूहते समय मक्खी, मच्छर दूध में न गिरने पाये एवं पशुओं को दूध दूहने के पहले ही चारा पानी पिला पिला दिया जाए। उन्होंने बताया कि साफ व स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए कई

कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे कि साफ वातावरण, साफ पशुशाला, दुग्ध शाला, पशु स्वास्थ्य तथा उसकी साफ-सफाई दुग्ध उत्पादन में उपयोग होने वाले बर्तन तथा दूध धोने की विधि इत्यादि महत्वपूर्ण हैं। 21 मई विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.डी.आर.सिंह ने अपने संदेश में कहा है कि स्वच्छ दुग्ध उत्पादन से ही दूध पीने वाला भी स्वस्थ रहेगा। डॉ.सिंह ने कहा कि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और राइबोफ्लेविन युक्त होता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, डी, ई, और के सहित कॉर्स्फोरेस, मैग्नीशियम, आयोडीन, ब एवं खनिज तथा कॉर्जी होती है इसके अलावा इसमें एंजाइम्स भी होते हैं इसीलिए दूध को पूर्ण आहार भी कहा जाता है निर्देशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ.एके.सिंह ने बताया कि 1 जून 2021 को 21वें विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अॅनलाइन कार्यशाला आयोजित की जाएगी। जिससे स्वच्छ दुग्ध उत्पादन के साथ ही पशु पालकों की आर्थिक सशक्तिकरण हो सके साथ ही पर्यावरण हितैषी हो।